भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

4826 अतारांकित प्रश्न संख्या

20 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

टेली-मानस सेवाओं का उपयोग

4826. श्री यदुवीर वाडियार:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) टेली-मानस पहल के प्रारंभ होने के बाद से इसका राष्ट्रीय स्तर पर क्या प्रभाव पड़ा है और इसके क्या प्रमुख परिणाम प्राप्त हुए हैं और प्राप्त कॉलों, निपटाए गए मामलों और विशेष देखभाल के लिए किए गए रेफरलों की संख्या कितनी है;

(ख) कर्नाटक के आंकड़े सहित टेली-मानस सेवाओं के उपयोग के संबंध में राज्य-वार आकड़ों का ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या सरकार ने मौजूदा स्कूल स्वास्थ्य कार्यक्रमों सहित राष्ट्रीय स्कूल स्वास्थ्य ढांचे में डिजिटल मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और जागरूकता मॉड्यूलों को एकीकृत करने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के लक्षणों की शीघ्र पहचान करने और उनका समाधान करने के लिए शिक्षकों, परामर्शदाताओं और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं; और

(ङ) विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के माध्यम से किशोरों और युवाओं के बीच टेली-मानस की पहुंच बढ़ाने के लिए यदि कोई योजना है, तो उसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ङ) सरकार ने देश में गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य परामर्श और परिचर्या सेवाओं तक पहुंच को और बेहतर बनाने के लिए 10 अक्टूबर, 2022 को "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" शुरू किया है। दिनांक 03.03.2026 तक की स्थिति के अनुसार, 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने 53 टेली मानस सेल स्थापित किए हैं। राज्यों द्वारा चुनी गई भाषा के आधार पर 20 भाषाओं में टेली-मानस सेवाएँ उपलब्ध हैं। प्रारंभ से ही हेल्पलाइन नंबर पर 34.34 लाख से अधिक कॉलों का समाधान किया गया है।

सरकार ने दिनांक 10 अक्टूबर, 2024 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस - के अवसर पर टेली मानस मोबाइल एप्लिकेशन भी शुरू किया है। टेली-मानस मोबाइल एप्लिकेशन एक व्यापक मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म है

जिसे आरोग्य से लेकर मानसिक विकारों तक के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए सहायता प्रदान करने हेतु विकसित किया गया है। गैर-आपातकालीन व्यक्तिगत सेवाओं के लिए 47,487 रेफरल किए गए, साथ ही 9,590 रेफरल आगे के विस्तृत नैदानिक मूल्यांकन के लिए किए गए। व्यक्तियों को विशेषज्ञ परिचर्या से जोड़ने के लिए 19,135 रेफरल मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों (एमएचपी) को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त, 1,319 व्यक्तियों को स्थानीय, सतत सहायता के लिए जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (डीएमएचपी) के पास भेजा गया। बहु-विषयक परामर्श की आवश्यकता वाले मामलों को समाधान करने के लिए 10,240 व्यक्तियों को चिकित्सा या शल्य चिकित्सा विशेषज्ञों के पास भेजा गया। गहन मानसिक स्वास्थ्य समस्या के लिए, 5,083 तत्काल रेफरल मनोरोग अस्पताल की आपातकालीन सेवाओं में किए गए, और अन्य 345 को उन्नत नैदानिक प्रबंधन के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों और विशिष्ट अस्पतालों में भेजा गया।

टेली-मानस सेवाओं के उपयोग संबंधी आंकड़े, जिनमें कर्नाटक के राज्य-वार आंकड़े भी शामिल हैं, **अनुलग्नक-1** में हैं।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) अपने कार्यकलापों जैसे कि किशोर अनुकूल स्वास्थ्य क्लीनिक (एएफएचसी), सहकर्मी शिक्षा कार्यक्रम और किशोर स्वास्थ्य और आरोग्यता दिवस (एएच और डब्ल्यूडी) के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर जागरूकता पैदा करता है और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। सहकर्मी शिक्षक 15-20 लड़के और लड़कियों का ग्रुप बनाते हैं और किशोर स्वास्थ्य, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण शामिल है, पर साप्ताहिक एक से दो घंटे के सहभागी सत्र आयोजित करते हैं। आरकेएसके के अंतर्गत, मानसिक स्वास्थ्य रणनीति का एक अभिन्न अंग है और इसमें सामान्य किशोर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और उनके प्रबंधन पर एमओएस, एएनएम और काउंसलरों का प्रशिक्षण शामिल है।

"भावनात्मक आरोग्यता और मानसिक स्वास्थ्य" को आयुष्मान भारत स्कूल स्वास्थ्य और आरोग्यता कार्यक्रम के अंतर्गत एक समर्पित मॉड्यूल के रूप में शामिल किया गया है। स्वास्थ्य और आरोग्य राजदूत (शिक्षक) कार्यक्रम के अन्य विषयगत क्षेत्रों के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर प्रशिक्षित किए जाते हैं, छात्रों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित करते हैं और आनंददायक अधिगम को बढ़ावा देने वाले साप्ताहिक सत्रों के माध्यम से संदेशों का प्रसार करते हैं।

टेली मानस टीमों ने विद्यालयों, महाविद्यालयों, छात्रावासों, आईटीआई, विश्वविद्यालयों, गैर-सरकारी संगठनों, वृद्धाश्रमों, अनाथालयों, स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों, कार्यस्थलों और पेशेवर सम्मेलनों में अनेक आउटरीच कार्यकलाप और जागरूकता सत्र आयोजित किए हैं। इस अवधि के दौरान भारतीय रेलवे के लोको पायलटों और उनके परिवारों, रिजर्व पुलिस कर्मियों, आयकर अधिकारियों, नर्सिंग और सामाजिक कार्य के छात्रों तथा आम काउंसलर्स के लिए विशेष पहलें आयोजित की गईं, जिनमें हजारों प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अनुलग्नक-I

टेली-मानस सेवाओं के उपयोग पर राज्य-वार डेटा

राज्य का नाम	कॉल की संख्या
उत्तर प्रदेश	660,932
तमिलनाडु	489,994
ओडिशा	304,314
महाराष्ट्र	281,413
कर्नाटक	217,969
पश्चिम बंगाल	208,214
तेलंगाना	196,974
मध्य प्रदेश	188,073
जम्मू और कश्मीर	144,918
राजस्थान	70,499
केरल	65,897
झारखंड	64,702
आंध्र प्रदेश	63,093
छत्तीसगढ़	50,835
असम	50,257
दिल्ली	45,833
गुजरात	42,765
बिहार	40,331
पंजाब	39,317
दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव	34,979
त्रिपुरा	29,235
गोवा	27,469
उत्तराखंड	23,867
मिजोरम	22,922
मणिपुर	17,430
चंडीगढ़	14,378
पुदुच्चेरी	13,951
हरियाणा	13,112
हिमाचल प्रदेश	10,714
लद्दाख	6,947
सिक्किम	5,502
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	5986
अरुणाचल प्रदेश	4,815
मेघालय	4,660
नागालैंड	2,550
लक्षद्वीप	1,082

*****